This question paper contains 4+2 printed pages]

Your Roll No......

6384

B.A.(Hons.)/III **D**

SANSKRIT (Vaidika Vanmaya)

Paper V (Admission of 2005 and before)

Paper VI (Admission of 2006 and onwards)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 18

Explain any *three* of the following Mantras :

(अ) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।

सचस्वा नः स्वस्तये॥

P.T.O.

(आ) त्वं विष्णो सुमतिं विश्वजन्यामप्रयुतामेवयावो मतिं दाः।
पर्त्तो यथा नः सुवितस्य भूरेरश्वावतः पुरुश्चन्द्रस्य रायः॥

(इ) जाया तप्यते कितवस्य हीना माता पुत्रस्य चरतः क्व स्वित्।
ऋणावा बिभ्यद्धनमिच्छमानोऽन्येषामस्तमुप नक्तमेति॥

(ई) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्यं छायामृतं यस्य मृत्यु कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(उ) सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञः पृथिवीं धारयन्ति।
सा नो भूतस्य भव्यस्य पत्न्युरुं लोकं पृथिवी नः कृणोतु॥

2 निम्नलिखित मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following Mantra in *Sanskrit* :

हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

अथवा

(Or)

अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्ति वाम्॥

3. (अ) उषा अथवा सोम देवता पर टिप्पणी लिखिये। 4

Write a note on Uṣā *or* Soma Devatā.

(आ) शिवसङ्कल्पसूक्त **अथवा** भूमिसूक्त पर एक लेख लिखिये। 5

Write an essay on Śivasaṅkalpasūkta *or* Bhūmisūkta.

4. (अ) प्रश्न संख्या 1 में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ कीजिये। 4

Render into Padapāṭha any *one* of the Mantras of Question No. 1.

(आ) प्रश्न संख्या 1 में रेखाङ्कित किन्हीं **तीन** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिये। 3

Write grammatical notes on any *three* of the following words in Question No. 1.

(इ) वैदिक क्त्वा **अथवा** वैदिक सुबन्त पर टिप्पणी लिखिये। 5

Write a note on Vedic Gerunds *or* Vedic Declensions.

5. प्रत्येक खण्ड से **दो** मन्त्र लेते हुए किन्हीं **चार** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 24

Explain any *four* Mantras taking *two* from each Section :

खण्ड I

(Section I)

(अ) स्वर्गे लोके न भयं किंचनास्ति

न तत्र त्वं न जरया बिभेति।

उभे तीर्त्वाशनायापिपासे

शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके॥

(आ) श्वोभावा मर्त्यस्य यदन्तकैतत्

सर्वेन्द्रियाणां जरयन्ति तेजः।

अपि सर्वं जीवितमल्पमेव

तवैव वाहास्तव नृत्यगीते॥

(इ) नैषा तर्केण मतिरापनेया

प्रोक्तान्येनैव सुज्ञानाय प्रेष्ठ।

यां त्वमापः सत्यधृतिर्बतासि

त्वादृङ् नो भूयान्नचिकेतः प्रष्टा॥

खण्ड II

(Section II)

(अ) तपसा चीयते ब्रह्म ततोऽन्नमभिजायते।

अन्नात्प्राणो मनः सत्यं लोकाः कर्मसु चामृतम्॥

(आ) प्लवा ह्येते अदृढा यज्ञरूपा

अष्टादशोक्तमवरं येषु कर्म।

एतच्छ्रेयो येऽभिनन्दन्ति मूढा

जरामृत्युं ते पुनरेवापि यन्ति॥

(इ) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया

समानं वृक्षं परिषस्वजाते।

तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्य-

नश्नन्यो अभिचाकशीति॥

6. कठोपनिषद् में वर्णित यम-नचिकेता का संवाद अपने शब्दों में लिखिए। 6

Write Yama-Naciketā saṁvāda described in Kaṭhopaniṣad in your own words.

अथवा

(Or)

मुण्डकोपनिषद् का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of Muṇḍakopaniṣad in your own words.